तिरुपति के पास मनाया गया 'आंध्र जल्लीकट्टू' (पशुवुला पांडुगा): सांस्कृतिक पशु उत्सव पर एक नज़र

UPSC प्रासंगिकता:

- **सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र I** – संस्कृति, लोक परंपराएं और क्षेत्रीय त्योहार, भारतीय सांस्कृतिक प्रथाओं की विविधता।

IAS-PCS Institute

चर्चा में क्यों?

आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के पुल्लैयागारीपल्ले गाँव में पारंपरिक पशु उत्सव **'पशुवुला पांडुगा'** आयोजित किया गया, जिसे लोकप्रिय रूप से '**आंध्र जल्लीकट्टू**' कहा जाता है। इस आयोजन ने बड़ी संख्या में युवाओं और दर्शकों को आकर्षित किया। यह उत्सव तमिलनाडु के 'जल्लीकट्टू' के साथ अपनी सांस्कृतिक समानताओं और अंतरों के कारण, और बिना किसी व्यवसायीकरण के कृषि परंपराओं पर जोर देने के लिए चर्चा में रहा है।

समाचार का विस्तृत विवरण

- **स्थान:** यह उत्सव तिरुपति जिले के चंद्रगिरी मंडल में आयोजित किया गया।
- **सामाजिक संवेदनशीलता:** आमतौर पर यह रंगमपेटा गाँव में आयोजित किया जाता है, लेकिन गाँव के एक निवासी के निधन के कारण इस वर्ष आयोजन स्थल को बदल दिया गया, जो सामुदायिक नैतिकता को दर्शाता है।
- **प्रतिभागी:** सैकड़ों युवाओं ने उत्सव में भाग लिया और रंगीन आभूषणों व लकड़ी की पट्टियों (plaques) से सजे हुए बैलों को नियंत्रित करने या रोकने का प्रयास किया।
- **शांतिपूर्ण आयोजन:** यह आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, जिसमें केवल कुछ युवाओं और एक बुजुर्ग महिला को मामूली चोटें आईं।

आयोजकों के मुख्य बिंदु:

- इस आयोजन में कोई सट्टा (betting) या पुरस्कार राशि नहीं थी।
- इसे पूरी तरह से एक **सांस्कृतिक उत्सव** के रूप में आयोजित किया गया।
- इसका मुख्य उद्देश्य **पशुधन के प्रति कृतज्ञता** व्यक्त करना था, जो ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- इसी समय, कुप्पम और पलमनेर क्षेत्रों में **कनुमा (Kanuma)** उत्सव भी मनाया गया, जो रायलसीमा क्षेत्र के डेयरी किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

IAS-PCS Institute

उत्सव के बारे में: पशुवुला पांडुगा ('आंध्र जल्लीकट्टू')

पृष्ठभूमि और सांस्कृतिक महत्व:

- 'पशुवुला पांडुगा' का शाब्दिक अर्थ है "**पशुओं का त्योहार**"।
- यह पारंपरिक रूप से रायलसीमा और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में, विशेष रूप से फसल कटाई के मौसम के दौरान मनाया जाता है।
- यह उत्सव किसानों और पशुओं (विशेषकर जुताई, डेयरी और परिवहन में उपयोग होने वाले मवेशियों) के बीच गहरे सांस्कृतिक बंधन को दर्शाता है।
- यह कनुमा जैसे कृषि त्योहारों के अनुरूप है, जो कृषि में पशुओं के महत्व को चिह्नित करते हैं।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी

आंध्र जल्लीकट्टू और तमिलनाडु के जल्लीकट्टू के बीच अंतर

चूँकि आपने तालिकाओं के उपयोग न करने का निर्देश दिया है, इसलिए यहाँ मुख्य अंतरों का विवरण दिया गया है:

1. **प्रकृति:** आंध्र प्रदेश का 'पशुवुला पांडुगा' मुख्य रूप से एक **सांस्कृतिक उत्सव** है, जबकि तमिलनाडु का जल्लीकट्टू एक **प्रतिस्पर्धी खेल (Competitive sport)** के रूप में देखा जाता है।
2. **सट्टा और पुरस्कार:** आंध्र प्रदेश के इस उत्सव में सट्टा या नकद पुरस्कार की अनुमति नहीं होती है। इसके विपरीत, तमिलनाडु के जल्लीकट्टू में ऐतिहासिक रूप से पुरस्कार और वीरता के प्रदर्शन का जुड़ाव रहा है।

3. **उद्देश्य:** 'पशुवुला पांडुगा' का प्राथमिक लक्ष्य पशुधन के प्रति **कृतज्ञता** प्रकट करना है, जबकि तमिलनाडु के आयोजन में युवाओं द्वारा अपनी **वीरता और शक्ति** का प्रदर्शन किया जाता है।
4. **विनियमन:** आंध्र प्रदेश का यह आयोजन काफी हद तक **सामुदायिक प्रबंधन** के अंतर्गत आता है, जबकि तमिलनाडु का जल्लीकट्टू राज्य सरकार द्वारा विनियमित है और न्यायिक जांच के दायरे में रहा है।

प्रारंभिक परीक्षा (Prelims) के लिए मुख्य तथ्य

- **पशुवुला पांडुगा:** आंध्र प्रदेश का पारंपरिक पशु उत्सव।
- **उपनाम:** इसे 'आंध्र जल्लीकट्टू' भी कहा जाता है।
- **क्षेत्र:** मुख्य रूप से रायलसीमा क्षेत्र में मनाया जाता है।
- **संबंध:** यह 'कनुमा' जैसे फसल उत्सवों से जुड़ा है।
- **विशेषता:** यह प्रतियोगिता के बजाय सांस्कृतिक कृतज्ञता पर केंद्रित है।

निष्कर्ष

पशुवुला पांडुगा यह दर्शाता है कि कैसे स्थानीय परंपराएं सामाजिक जिम्मेदारी के साथ सह-अस्तित्व में रह सकती हैं। यह व्यावसायिकता से बचते हुए सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करता है। नीति निर्माताओं के लिए, ऐसे आयोजन सार्वजनिक सुरक्षा और पशु कल्याण सुनिश्चित करते हुए स्वदेशी प्रथाओं को संरक्षित करने की आवश्यकता को उजागर करते हैं।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

UPSC प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. पशुवुला पांडुगा (जिसे 'आंध्र जल्लीकट्टू' के नाम से जाना जाता है) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश के रायलसीमा क्षेत्र में मनाया जाने वाला एक पारंपरिक पशु उत्सव है।
2. इस उत्सव में तमिलनाडु के जल्लीकट्टू की तरह सट्टेबाजी और पुरस्कार राशि शामिल होती है।
3. यह कृषि अर्थव्यवस्था का समर्थन करने वाले पशुधन के प्रति कृतज्ञता की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के रूप में आयोजित किया जाता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A) केवल 1 और 2 B) केवल 1 और 3

C) केवल 2 और 3 D) 1, 2 और 3

सही उत्तर: B

प्रश्न 2. हाल ही में चर्चा में रहा उत्सव 'पशुवुला पांडुगा' निम्नलिखित में से किससे सबसे अधिक निकटता से संबंधित है?

A) आंध्र प्रदेश में फसल उत्सव और पशु पूजा।

B) पूर्वी हिमालय के जनजातीय अनुष्ठान।

C) तटीय कर्नाटक में मानसून का जश्न।

D) राजस्थान की रेगिस्तानी देहाती प्रथाएं।

सही उत्तर: A

IAS-PCS Institute

Result Mitra

रिजल्ट का साथी

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806